भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 777

गुरूवार, 5 फरवरी, 2026/16 माघ, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

महाराष्ट्र में पर्यटन को बढ़ावा देना

777 श्री धनंजय भीमराव महादिक:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने और पर्यटन आधारित आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कोई नई कार्यनीति बनाई है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या मुंबई, अजंता, एलोरा, कोंकण तट और धार्मिक स्थलों जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों के बावजूद महाराष्ट्र में हाल के वर्षों में विदेशी पर्यटकों के आवगमन में कमी आयी है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार महाराष्ट्र को वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देने के लिए विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय विपणन अभियान, वीजा सुविधा उपाय या अवसंरचनात्मक सहायता का प्रस्ताव करती है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या इन मुद्दों के समाधान के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ परामर्श किया गया है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय देश के विभिन्न पर्यटन उत्पादों और गंतव्यों को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक पर्यटन सृजक बाजारों में भारत का एक समग्र गंतव्य के रूप में संवर्धन करता है। यह संवर्धन विभिन्न अंतरराष्ट्रीय यात्रा व्यापार प्रदर्शनियों, मेलों और कार्यक्रमों में भागीदारी; विदेशी टूर ऑपरेटरों, मीडिया और इंफ्लुएंसर्स के लिए परिचायक यात्राओं (एफएएम) के आयोजन; पर्यटन रोड शो, भारत खाद्य महोत्सवों के आयोजन; स्थानीय टूर ऑपरेटरों और अन्य औद्योगिक हितधारकों के साथ समन्वय और सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से प्रचार द्वारा किया जाता है। ये कार्यकलाप भारतीय दूतावासों, उद्योग जगत और महाराष्ट्र राज्य सरकार सहित अन्य राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के सहयोग से संचालित किए जाते हैं।

इसके अलावा, देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए, पर्यटन मंत्रालय अपनी योजनाओं, जैसे - 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)', 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' - स्वदेश दर्शन 2.0 योजना की एक उप-योजना, 'राज्यों को पूंजी निवेश के लिए विशेष सहायता

(एसएएससीआई)', और 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' के तहत संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

पिछले तीन वर्षों में महाराष्ट्र में विदेशी पर्यटकों द्वारा की गई यात्राओं की संख्या निम्नानुसार है:

(मिलियन में)

2022	**2023**	**2024**
1.512	3.388	3.705

वर्ष 2024 में भारत में विदेशी पर्यटकों द्वारा महाराष्ट्र का हिस्सा सबसे अधिक था, जो 17.69 प्रतिशत था।

(घ): मंत्रालय देश में पर्यटन के विकास और संवर्धन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के पर्यटन विभागों के साथ नियमित रूप से परामर्श बैठकें आयोजित करता है।

*****